पश्चिमी घाट में नया पठार

हाल ही में महाराष्ट्र के **पश्चिमी घाट** में एक **दुर्लभ कम ऊँचाई वाले बेसाल्ट पठार** की खोज की गई है। यह खोज **जलवायु परिवर्तन** का **प्रजातियों के अस्तित्त्व पर होने वाले प्रभाव को समझने** और विश्व भर में चट्टानी उभारों एवं उनके विशाल **जैवविविधता** के महत्त्व को संरक्षित करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद कर सकती है।

प्रमुख बिंदु

- **निम्न ऊँचाई वाला बेसाल्ट पठार:** यह इस क्षेत्र में पहचाना जाने वाला चौथे प्रकार का पठार है;**पिछले तीन उच्च तथा निम्न ऊँचाई वाले लेटराइट एवं उच्च ऊँचाई वाला बेसाल्ट पठार हैं।**
- **विविध जैवविविधता:** पठार के सर्वेक्षण के दौरान 24 विभिन्न वर्गों के पौधों और झाड़ियों की 76 प्रजातियों के संबंध में जानकारी मिली।**यह एक महत्त्वपूर्ण खोज है** क्योंकि यह अन्य तीन चट्टानी उभारों के साथ मिलकर उनके साथ एक सामान्य पारिस्थितिकी तंत्र साझा करता है।
- यह अलग-अलग **पर्यावरणीय परिस्थितियों में प्रजातियों की अंतःक्रिया का अध्ययन** करने के लिये एक अद्वितीय मॉडल प्रणाली प्रदान करता है।

नोट: रॉक (चट्टान) आउटक्रॉप में मौसमी जल की उपलब्धता, सीमित मिट्टी और पोषक तत्त्व होते हैं, जो उन्हें प्रजातियों के अस्तित्त्व पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन करने के लिये आदर्श प्रयोगशाला बनाते हैं। पठार इस प्रकार अंतर्दृष्टि का एक मूल्यवान स्रोत है कि प्रजातियाँ चरम स्थितियों में कैसे जीवित रह सकती हैं।

पश्चिमी घाट:

//

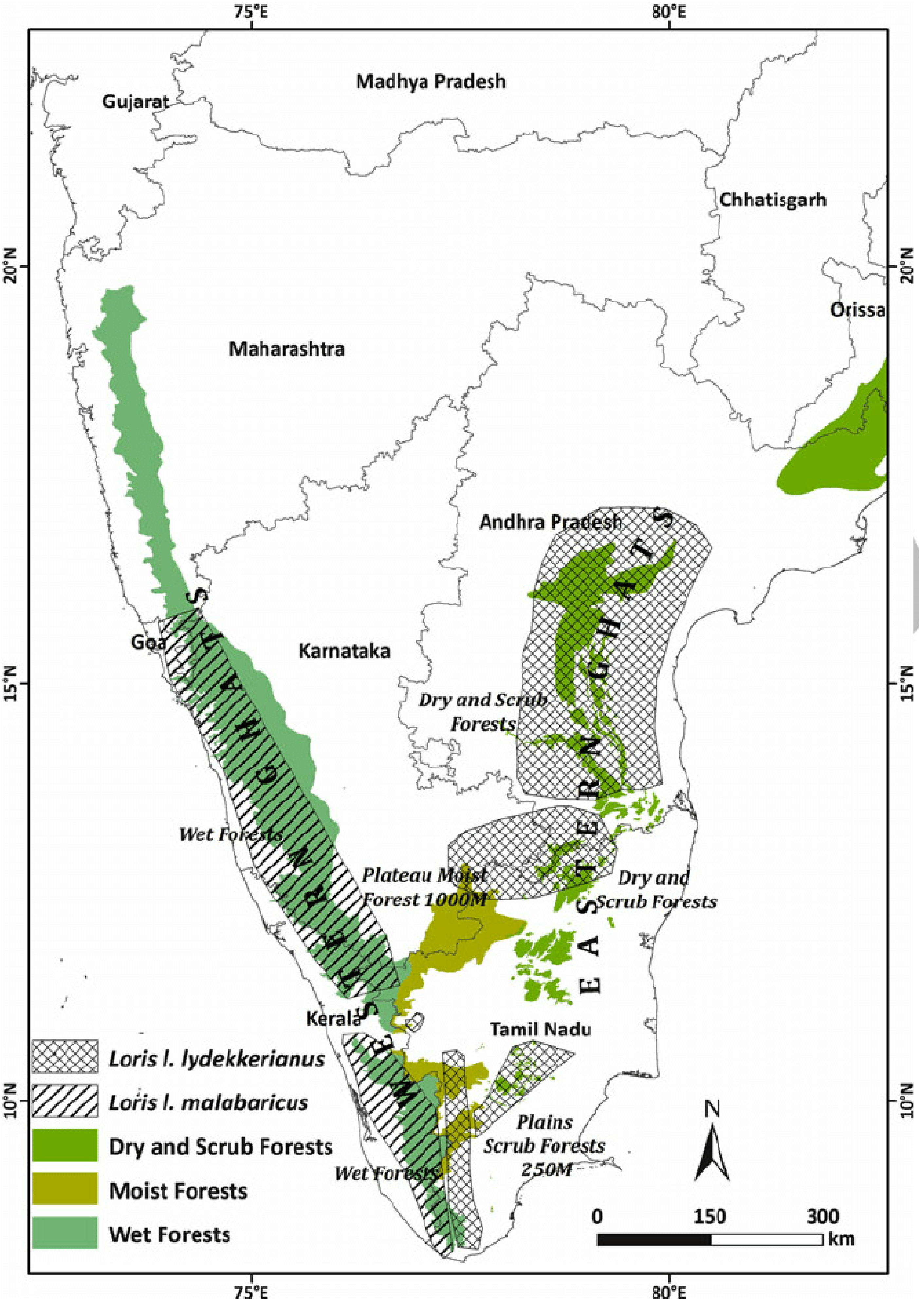

75°E
80°E
20°N
15°N
10°N
Madhya Pradesh
Gujarat
Chhatisgarh
Orissa
Maharashtra
Andhra Pradesh
Goa
Karnataka
Kerala
Tamil Nadu
WESTERN GHATS
EASTERN GHATS
Dry and Scrub Forests
Wet Forests
Plateau Moist Forest 1000M
Dry and Scrub Forests
Plains Scrub Forests 250M
Wet Forests
Loris l. lydekkerianus
Loris l. malabaricus
Dry and Scrub Forests
Moist Forests
Wet Forests
N
0 150 300
km

- **परिचय:**
  - पश्चिमी घाट भारत के पश्चिमी तट के समानांतर और केरल, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, तमलिनाडु तथा कर्नाटक राज्यों के पहाड़ों की शृंखला से मलिकर बना है।
  - पश्चिमी घाट भारत के चार **वैश्वकि जैवविविधिता हॉटस्पॉट** में से एक है।
  - अन्य तीन हमिालय, **भारत-बर्मा क्षेत्र और सुंडालैंड** (नकिोबार द्वीप समूह शामलि हैं) हैं।
  - इसे यूनेस्को की **वशि्व धरोहर स्थल** के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- **महत्त्व:**
  - घाट **भारतीय मानसून** मौसम पैटर्न को प्रभावति करते हैं जो इस क्षेत्र की गर्म उष्णकटबिंधीय जलवायु को प्रभावति करते हैं।
  - वे दक्षणि-पश्चमि से आने वाली बारशि से चलने वाली **मानसूनी हवाओं के लयि बाधा के रूप में** कार्य करते हैं।
  - पश्चिमी घाट **उष्णकटबिंधीय सदाबहार वनों के साथ-साथ वशि्व स्तर पर खतरे वाली 325 प्रजातयिों का घर है।**
  - **पश्चिमी घाट में पठार प्रमुख परदृश्य हैं**, जो स्थानकि प्रजातयिों की प्रबलता के कारण महत्त्वपूर्ण हैं।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नम्निलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2017)

1. भारत में हमिालय पाँच राज्यों में ही फैला हुआ है।
2. पश्चिमी घाट केवल पाँच राज्यों में फैला हुआ है।
3. पुलीकट झील दो राज्यों में ही फैली हुई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) केवल 1 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. कभी-कभी खबरों में रहने वाली 'गाडगलि कमेटी रपिोर्ट' और 'कस्तूरीरंगन कमेटी रपिोर्ट' कसिसे संबंधति हैं (2016)

(a) संवैधानकि सुधार
(b) गंगा कार्ययोजना
(c) नदियों को जोड़ना
(d) पश्चिमी घाटों की सुरक्षा

उत्तर: (d)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-plateau-in-the-western-ghats